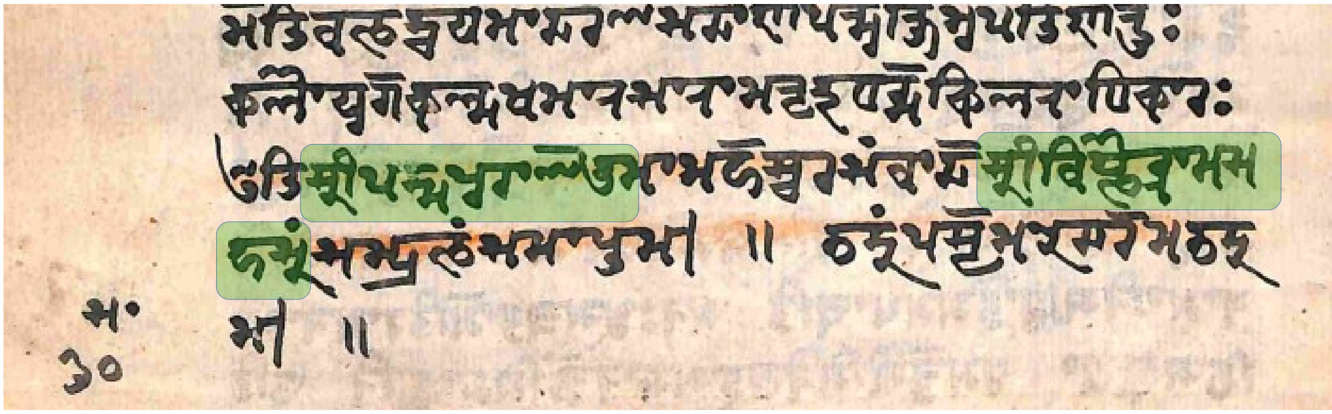
kulgam 3.pdf **Title : Shri Vishnu Nama Sahasram (in Padma Purana)**



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

डुं ण्डिलैर्बलिभिर्मरः || किं वा लपसि मे वेमपरं कैस्तुष्टलोकिमे
|| मत्तरूपप्रियाङ्गेभिर्गन्तुं कृष्णमतु || श्रीगंगाजलम् ||
नेत्रं कण्ठं पिकवचितं गैपनीयमिदं मम || किं त्वं स्तु भिक्षुं
कुञ्जमिप्रियामिमे || भामामहेशगौरविविष्णुभक्तैपि
लाः || यत्रात्रिविष्णुमेवैकं ह्लकृष्णमचेश्वरेश्वरमी || प्रियात्रिप
रमभक्तिमैत्रिक भक्तिकीर्तिपरामम् || यान्नरूपमरैः मचैर
क्रियाल्लेसमवल्लिता || नत्वं गतिं स्वयं तत्रैवितरगावतान्तरान्ता ||
मम्प्राणमयिपिंसूत्र मेवाविष्णुवदिमापः || वेमैःरालैःमिष्ठ

म० ७

परःशिवाय ॥ परोदियाय ॥ परंज्ञनाय ॥ परागाढये ॥ परम
ज्ञाय ॥ परंज्यूयमे ॥ परानन्दाय ॥ परोक्षयाय ॥ परोहृद्ग्रे ॥
परंहेम्ने ॥ पराज्ञ्ये ॥ परमेश्वराय ॥ निरामयाय ॥ निर्विक
राय ॥ निर्विकल्पाय ॥ निराश्रयाय ॥ निरञ्जनाय ॥ निरालम्ब
य ॥ निर्लेपाय ॥ निरवद्याय ॥ निर्गुणाय ॥ निष्कलाय ॥ म
नोज्ञाय ॥ मठयाय ॥ ममित्राय ॥ ममलाय ॥ मघूडाय ॥ मडीन्द्रि
याय ॥ मखिडाय ॥ मपराय ॥ मनीमाय ॥ मनीन्दाय ॥ महायाय ॥
महायाय ॥ भवदङ्गाय ॥ भवगाय ॥ भव[illegible] ॥ भवघाय ॥ भवछव
नाय ॥

[illegible]

[illegible]

म० ७

ऽप्रपन्नाय ॥ उगीयाय ॥ ऽमम:पर[illegible] ॥ कृष्णभृत्याय ॥ सर्व
मंत्रिप्रियाय ॥ वण्वैगैसरा उिनाय ॥ सर्वक्लेशघ्नाय ॥ सर्वगा
य ॥ कल्याय ॥ सर्वठयङ्काय ॥ सर्वज्ञहृय ॥ सर्वगउये ॥
सर्वनश्याय ॥ नासर्वाय ॥ मूलसरुडिये ॥ सुननाय ॥
सर्वभ्राय ॥ विश्वभेदनाय ॥ सर्वसाध्याय ॥ विश्ववीर्याय ॥
परमनुये ॥ भौक्तृवे ॥ सर्वकृभूष्याय ॥ सर्वलीलाय ॥
सर्वकुवसङ्काय ॥ सनिष्कृ ॥ सर्वणीवाय ॥ हृषीकेश
य ॥ सर्वभूउये ॥ निरुपाधिप्रियाय ॥ कंसाय ॥ सस्राय ॥

सर्वनियामकाय || सुकृते || सुरेश्वराय || सर्वकृत [illegible] ||
सर्वनायकाय || क्षेत्रज्ञाय || सर्वज्ञेश्व[illegible] || सर्वदाय ||
विश्वभर्त्रे [illegible] || सत्यद[illegible] || शिवप्रिय[illegible] || सर्वतःपाणि[illegible] ||
शिवप्रियाय || सर्वेश्वराय || योगिगम्याय || पद्मनाभाय || सर्वसा-
क्षिणे || श्रियःपतये || श्रीमते [illegible] || सर्वमूर्तये ||
श्रीनिकेतनाय || निष्कल[illegible] || श्रीनिधये || श्रीधराय ||
[illegible]नाय || वसुप्रियाय || [illegible] || विष्णवे || क्षीरसमुद्र[illegible]-
य || कौस्तुभ[illegible] || माधवाय || [illegible] || श्री

स० ३

ॐ नमः ॥

पञ्चशूले ॥ पञ्चकलशाय ॥ पञ्चास्याय ॥ पञ्चवदनाय
पञ्चदशे ॥ पञ्चांशे ॥ वनमालिने ॥ [illegible] ॥ ३०० ॥
[illegible]
॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

ਨਮ੍ਰ ਕਿਨੇ ॥ ਪਦ੍ਮ ਪਾਣਯੇ ॥ ਗਰੁੜ ਵਾਹਨਾਯ ॥ ਸਵਿਤ੍ਰ ਸੁਵੰਸ਼
ਯੇ ॥ ਸਰਵਾਯ ॥ ਸਰਵ ਲੋਕ ਪਾਵਨਾਯ ॥ ਸਰਵ ਤੁ ਕੀਰਤਯੇ ॥ ਨਿ
ਸ਼ੀਲ ਮੇਘ ਨਯਨਾਯ ॥ ਸਰਵ ਮੰਗਲਾਯ ॥ ਚੰਦ੍ਰ ਕੋਟਿ ਸੁਸ਼ੀਤਲਾ
ਯ ॥ ਯਮ ਕੋਟਿ ਦੁਰਾਸਦਾਯ ॥ ਸੂਰ੍ਯ ਕੋਟਿ ਪ੍ਰਤਾਪਵੰਤ ॥ ਵਾਯੁ
ਕੋਟਿ ਮਹਾਬਲਾਯ ॥ ਕੋਟਿ ਇੰਦ੍ਰ ਲਗਾਸ੍ਰ ਨ ਜ਼ਿਨੇ ॥ ਸੰਭੁ ਕੋਟਿ
ਮਹੇਸ਼੍ਵਰਾਯ ॥ ਕੁਬੇਰ ਕੋਟਿ ਲਕ੍ਸ਼੍ਮੀਵੰਤ ॥ ਮਦਨ ਕੋਟਿ ਵਿਲਾਸ
ਵੰਤ ॥ ਕੰਦ੍ਰਪ ਕੋਟਿ ਲਾਵਣ੍ਯਾਯ ॥ ਦੁਰ੍ਗਾ ਕੋਟਿ ਵਿਮਰ੍ਦਨਾਯ ॥
ਸਮੁਦ੍ਰ ਕੋਟਿ ਗੰਭੀਰਾਯ ॥ ਤੀਰ੍ਥ ਕੋਟਿ ਸਮਾਹ੍ਵਯਾਯ ॥ ਹਿਮ

वक्त्रे कोटिनिष्क्रमणाय || कोटिशुक्रप्रविष्टाय || कोटिब्रह्मोपासनाय
[illegible] || यष्टु कोटिमममन्त्रनाय || भगकोटिध्वस्तदेवे || क
मपकोटिकमनाय || इन्द्रविष्णुकोटिरूपाय || त्रिपिविष्ट
य || सुमिसूर्यम || विश्वमूर्त्ताय || डीकपानाय || पदसूर्व कोटि
नाय || सृष्टिमिवाय || लगाक्लीं हीं || भक्तनाय || कालनेमिध्व
वैकुण्ठाय || सनत्तु भगवते || भगयोगीश्वरेश्वराय || निहश
भ० तुप्य || लमहवाय || निःसङ्गाय || नाकन्तुकाय || मीनाम
०० बैकमनाय || विश्वकल्पभवनापद्म || लगाक्षुपक्रमाय ||

निहत्तपलहे ॥ भक्तान सूयाय ॥ येनस्वराय ॥ भक्तिमीलाय
यज्ञिक्रयविवलिताय ॥ सर्वैश्वराय ॥ विस्वरूपमे ॥ स्वए
पतिमङ्गलिपाय ॥ सहस्रकिरणाय ॥ सम्कृपाविपम
गाय ॥ प्रदभिमेकाय ॥ विस्वरूपेक्षे ॥ भवभूपरगाय ॥ लगाङ्क
वे ॥ पद्मसेवके ॥ पराय ॥ विस्वपरवागाय ॥ निम्नभाय ॥ स

प।७

पिपललेकेमाय ॥ निःमहाकुतेगावते ॥ वसुभायाय ॥ वसु
विस्वाय ॥ विषक्षोभाय ॥ भैरवमाय ॥ भवसूयभयाय ॥ सिद्ध
नम्रकृपकृषिताय ॥ भवलमलमाय ॥ भवमैत्रेयसपमे ॥

भभमुरिव भच [illegible] ॥ भच [illegible] ॥ भभमुरिव [illegible]

[illegible] ॥ भभमुरिव [illegible] ॥ भभमुरिव [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ भभमु [illegible] ॥ भगवते ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ भच [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॐ ॥॥॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

मं॰ [illegible] ॥॥ ॥ [illegible] ॥ [illegible]

१० [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ विश्व[illegible]य ॥ भक्तवत्सलाय ॥ ग
[illegible] ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
य ॥ [illegible]य ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
[illegible]य ॥ विश्व[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
[illegible]य ॥ [illegible]य ॥ विश्व[illegible]य ॥ [illegible]
[illegible]य ॥ [illegible]य ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
[illegible]य ॥ [illegible]य ॥ [illegible] ॥
य ॥

𑆥𑆫𑆩𑆳𑆠𑇀𑆩𑆱𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆳𑆪 ॥ 𑆱𑆢𑇀𑆨𑆪𑆪𑆓𑆳𑆤𑇀𑆠𑆫𑆁𑆓𑆳𑆪 ॥ 𑆪𑆺𑆓𑆴𑆨𑆼𑆢
𑆨𑆳𑆮𑆫𑆷𑆥𑆳𑆪 ॥ 𑆬𑆨𑆩𑆳𑆥𑇀𑆫𑆴𑆠𑆶𑆬𑆳𑆨𑆴𑆰𑇀𑆜𑆶𑆠𑆳𑆪 ॥ 𑆪𑆺𑆓𑆑𑆸𑆢𑇀𑆣𑆶𑆠𑆱
𑆑𑇀𑆫𑆴𑆠𑆠𑆼 ॥ 𑆱𑆁𑆑𑆶𑆣𑆴𑆠𑆴𑆬𑇀𑆫𑆺𑆥𑆳𑆪 ॥ 𑆱𑆑𑇀𑆫𑆬𑆴𑆁𑆓𑆼 ॥ 𑆮𑆴
𑆫𑆳𑆓𑆫𑆷𑆥𑆳𑆪 ॥ 𑆱𑆖𑆑𑇀𑆫𑆳𑆁𑆑𑆶𑆠𑆠𑆼 ॥ 𑆮𑆵𑆫𑆱𑆢𑇀𑆨𑆽 ॥ 𑆑𑆶𑆮𑆵
𑆢𑆬𑆴𑆁𑆓𑆼 ॥ 𑆱𑆶𑆑𑆵𑆥𑆮𑆵𑆱𑆳𑆪 ॥ 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆤𑆤𑇀𑆢𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆫𑆷
𑆪 ॥ 𑆣𑆵𑆩𑆳𑆪 ॥ 𑆥𑆫𑆩𑆶𑆫𑆨𑆳𑆪 ॥ 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆤𑆤𑇀𑆢𑆽𑆑𑆮𑆴𑆓𑇀𑆫𑆶𑆮𑆼 ॥
𑆯𑆴𑆮𑆳𑆓𑆴𑆥𑆬𑆑𑆶𑆤𑇀𑆢𑆾𑆩𑆳𑆪 ॥ 𑆣𑆵𑆥𑆶𑆩𑆳𑆤𑇀𑆢𑆳𑆪 ॥ 𑆱𑆳𑆥𑆴𑆯𑆽𑆮
𑆳𑆪 ॥ 𑆯𑆷𑆬𑆩𑆳𑆢𑆓𑆮𑆼 ॥ 𑆮𑆴𑆱𑇀𑆮𑆬𑆽𑆓𑆥𑆫𑆴𑆮𑆼 ॥ 𑆠𑆠𑇀𑆠𑆶𑆬𑆴𑆁𑆓𑆼 ॥

सर्वङ्गीयत्प्रभुवे ॥ शुक्रमर्दैकमल्लिकाय ॥ मनवे ॥
सूक्ष्मरूपाय ॥ भक्तम्भतवे ॥ भगीयसे ॥ कपूठाय ॥ विरा
लि ॥ सुश्चिरलय ॥ क्षितिपिडे ॥ भवाङ्घ्रिकमलेतडे ॥
पृथवे ॥ लक्ष्मीकेकमलाय ॥ भयंणीःधरणाय ॥ भुवं
श्री धरणाय ॥ कीर्तिभुवंधरणाय ॥ जगद्गुरुरूपाय ॥
मत्स्यवत्तिसूक्ष्मरूपाय ॥ मन्त्रयाभुप्पडि ॥ भद्रवंसमद्रणाय ॥
रामाय ॥ राघवाय ॥ भक्तुलेत्सवाय ॥ कृष्णाय ॥
वीरराजि ॥ सुदर्शनाय ॥ पद्मपाण्डुराय ॥ नित्यमुक्त
मयाय ॥

सं॰
०१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

लङ्गमप्रलेपिकुङ्कुमसन्निभाय ॥ वरमाधुर्यलावण्यसुन्दरपेशलमु-
ज्वलज्जवनाय ॥ गण्डलिप्ताय ॥ स्फुरन्मुक्तिविद्युत्कृष्णकलोठि-
मे ॥ ॥ ...मुखे ॥ गण्डलिङ्कमिरस्तुते ॥ दिःसङ्कट्टकृताय-
नाय ॥ भुजभुजङ्गविलम्बिने ॥ सर्वकृन्निकृन्तनाय ॥ न-
क्षत्रवदकृते ॥ पद्मपद्मवक्त्राय ॥ भगसुन्दराय ॥ नाभिमध्य-
सम्पूर्णमण्डलाकारविलसद्गण्डाय ॥ भगवद्भुजमण्डलमेखलाभूमिते ॥
त्रिवलीकृताय ॥ सर्वस्फुरन्नाभिकान्ते ॥ मध्यमग्निडाय ॥
स्फुरद्भद्रेन्द्रनन्दशिवस्तुत्यौ घनतीक्ष्णाय ॥ चेष्टोत्पिल

मं॰

७

म[illegible]ाय || [illegible]ाय ||
[illegible] || [illegible]ाय || [illegible] || [illegible]
[illegible]ाय || [illegible] || ॐ नमो विष्णवे || [illegible]
[illegible] चण्डाय || [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]
[illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]य ||
म० [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]
३० [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible]ाय || [illegible] ||

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆟𑆵𑆑𑇀𑆰𑆟𑆳𑆪 𑇆 𑆨𑆳𑆫𑆠𑆵𑆥𑆠𑆪𑆼 𑇆 𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆱𑆷𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆛 𑆮𑆓𑇀𑆫𑆲𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆠𑇀𑆫𑆥𑇀𑆫𑆨
𑆥𑆢𑇀𑆩𑆑𑆼𑆱𑆫𑆢𑆮𑆱𑇀𑆮𑆫𑆓𑆼𑆲𑆫𑆳𑆪 𑇆 𑆛𑆑𑇀𑆑𑆱𑆫𑇀𑆮𑆬𑆴𑆓𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆼𑆲𑆱𑆠
𑆮𑆥𑆵𑆱𑆱𑇀𑆮𑆫𑆥𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑇀𑆮𑆬𑆮𑆴𑆱𑇀𑆮𑆼𑆑𑆢𑇀𑆮𑆴𑆠𑆵𑆪𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆴𑆥𑆴
𑆬𑆢𑆓𑆳𑆫𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆼𑆤𑆱𑆼𑆮𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑆷𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑆷𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩 𑆯𑆴𑆫
𑆱𑆼 𑇆 𑆑𑆶𑆬𑆳𑆪 𑇆 𑆛𑆳𑆱𑆴𑆑𑆳𑆱𑆑𑆳𑆫𑆪𑆼𑆬𑆴𑆓𑆳𑆱𑆷𑆱𑇀𑆮𑆱𑆴𑆠𑆪𑆼 𑇆
𑆑𑆬𑆳𑆩𑆴𑆢𑆷𑆬𑆳𑆑𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆨𑆬𑆳𑆨𑆳𑆪 𑇆 𑆢𑆬𑆳𑆪𑆶𑆓𑆳𑆪 𑇆 𑆤𑆵
𑆬𑆨𑆶𑆓𑆳𑆪 𑇆 𑆮𑆳𑆤𑆬𑆵𑆱𑆳𑆪 𑇆 𑆱𑆽𑆮𑆑𑇀𑆫𑆳𑆪𑆱𑆼𑆤𑆳𑆥𑆠𑆪𑆼 𑇆 𑆱𑆱𑆼

𑆱𑆁
𑇑𑇐

𑆥𑆱𑆳𑆑𑇀𑆰𑆴𑆱𑆢𑆥𑆳𑆛𑆼𑆑𑆱𑆱𑆳𑆤𑆤𑆳𑆪 𑇆 𑆮𑆬𑆴𑆩𑆁𑆪𑆱𑆤𑆳𑆪 𑇆

धराय॥ रौहिणेयाय॥ प्रलम्बघ्ने॥ मुष्टिकघ्नाय॥ द्विवि
दघ्ने॥ कालिन्दीकर्षणाय॥ बलाय॥ रेवतीरमणाय॥ प्रच
ण्डिविस्मृताङ्गुलीयाय॥ सर्वकीर्तिभवस्वाकरसुपरिशोभित
ङ्गराय॥ वाहुयुताय॥ भक्तानुग्रहाय॥ मेघाय॥ यदुकुले
श्वर॥ नराङ्कुशाय॥ पाञ्चजन्य॥ महाभावसिद्धसाय॥
सर्वसिद्धिभल्लालितगणगतसुदक्षेमवाय॥ प्रतनाक्षाय॥
मकरध्वजाय॥ श्रीभल्लाह्लादनकराय॥ वाडभगाय॥ क
लिघ्नाय॥ पितृकाराय॥ गवीश्वराय॥ सर्वेश्वराय॥ गोपवेषाय॥

यशोदानन्दकारकाय ॥ कालीयमर्दनाय ॥ सर्वगोपगोपीज-
नप्रियाय ॥ लीलागोवर्धनधराय ॥ गोविन्दाय ॥ गोकुलोत्स-
वाय ॥ अरिष्टमर्दनाय [illegible]गोपीविमुक्तिदाय ॥
महाकुवलयापीडघातिने ॥ चाणूरमर्दनाय ॥ कंसा-
राय ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ सान्दीपनिमृतपुत्रदात्रे ॥ काल-
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

मा॰
३३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

म॰
९३

सुरतिपरिलीनद्विरेफमालाय ॥ श्रीमन्मातङ्गकण्ठतटक्रमुकट
नीलकुवैकुण्ठवाय ॥ पञ्चतत्त्वमिश्रपात्रादिभक्तिमताय ॥ स्व
र्णकेसराय ॥ कुसुमकुन्तलादिकरणपुष्पमालाविनिर्मिताकृते
ते ॥ महाभैरवभार्गवकण्ठतटस्थकमलभक्तिमताय ॥ मरा
लीलालकुलनिभतटवर्णाभितालाय ॥ शङ्खकुन्दमन्दार
हरपरीक्षितकल्पवृक्षवैकुण्ठते ॥ परिलीनद्विरेफमण्डलेशे ॥
मञ्जुलमरकतपदाय ॥ गुरुभक्तजनप्रसन्नीकृतकृष्णपि
लक्ष्मीवराय ॥ पञ्चकृत्यपरायणमेधाविस्मितमुखाय ॥ ॥

ऽपांनिधये ॥ अमृताय ॥ शेषरूपाय ॥ अगस्त्यर्षये ॥ त्रिपुरेश्म
त्रुये ॥ परायणाय ॥ मिवस्कुलविसृंभिने ॥ सूक्ष्मैकव
रूपाय ॥ नराय ॥ उद्धराय ॥ कपये ॥ पद्मनाभनाय ॥ पद्म
लीचनाय ॥ भुक्तिकर्त्रे ॥ अचलमहाय ॥ अचलश्रीरघुमहय्य
ष्किल्लिलाडकमल्लाय ॥ उचमीभद्रे ॥ भवीश्वराय ॥ सृष्ट
य ॥ कवये ॥ हयग्रीवाय ॥ अचलवगीश्वरेश्वराय ॥ अचलदेव
भयाय ॥ शक्रपुरवे ॥ वगीश्वरीपतये ॥ अनन्तविष्णुभक्त
वाय ॥ भल्लविष्णुविनायकाय ॥ अचलप्रभुताय ॥ एगम्र
हुनामकाय ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

ਤ੍ਰਿਸਿਦ੍ਧਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਮਹਾਕਾਯਾਯ ॥ ਮਹਾਬਲੇ ॥ ਗੁਰਵੇ ॥ ਵਿਸ੍ਵਤਭਾਯ ॥
ਮਿਤ੍ਰਬਾਹਾਯ ॥ ਗਰੁੜਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਮਹਾਕੌਤਭਾਯ ॥ ਵਰੁਣਯੇ ॥
ਮਹਾਭਿਨੇ ॥ ਗੌਰਵੇ ॥ ਮਹਾਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਪ੍ਰਿਯੇ ॥ ਨਗਸਥਾਯ ॥ ਸਰਵਸਿ-
ਗਲੇ ॥ ਪਾਪਹਵਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਮਹਾਨਾਯ ॥ ਕਾਮਾਯ ॥ ਸੁਖਦਾਲੇ ॥
ਪਵਨਾਯ ॥ ਪਾਵਨੇਸ਼ਨਾਯ ॥ ਵਰੁਣਾਯ ॥ ਯਾਸਭੰਪਤਯੇ ॥
ਗਣੇਸ਼ਭੰਭਾਯ ॥ ਰੁਦ੍ਰਾਯ ॥ ਕਲਕਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਵਰੌਧਾਯ ॥
ਮਤ੍ਰਾਯ ॥ ਭਮਸ੍ਵਨਾਯ ॥ ਮਧੁਪੂਜ੍ਯਾਯ ॥ ਵਰ੍ਯਾਯ ॥ ਸੁਰਾਨੌਤ-
ਭਾਯ ॥ ਪੰਚ੍ਰਸੂਰਮੇ ॥ ਕਲਿਗਾਨਾਯ ॥ ਨਿਰਵਤਾਯ ॥ ਤਨੇਸ਼੍ਵਰਾ-
ਯ ॥

ਮ: ੭੦

सनत्कुमारे, कपर्दिसाय ॥ सहस्राक्षाय ॥ सर्वेश्वरकराणे ॥ स
त्रु विष्णुय ॥ विष्णुरूपाय ॥ भूतवाय ॥ छत्रभंवराय ॥
भैरवे ॥ गिरिपतये ॥ भीमाय ॥ भीमरूपाय ॥ कल
सर्वमाय ॥ मित्रसुहृदे ॥ प्रवभिक्षुय ॥ कपिलाय ॥
भस्मे ॥ वेतालि ॥ उग्राय ॥ पिङ्गलाय ॥ रुद्ररूपाय ॥
वसुरूपाय ॥ कालपाशाय ॥ सर्वसूक्ष्मय ॥ कमलयोनये ॥
मूर्तिमात्रे ॥ सर्वभूताय ॥ मित्रभानवे ॥ गुरुमूर्त्तय ॥
भागे ॥ पितृसभाय ॥ पितृ ॥ भिंगलाय ॥ भगनेत्राय ॥

नगेन्द्राय ॥ वरप्रदाय ॥ नवरागाय ॥ नयाय ॥ वल्लभाय
सूक्ष्माय ॥ मेरवे ॥ ज्योतिषे ॥ करुणाय ॥ .... ॥
नमो नमः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ नमो स्वयम्भुवे विश्वविधे शम्भवे
सूक्ष्मम् ॥ सर्वपापप्रशमनं परं शान्तिविवर्धनम् ॥
सर्वसौख्यप्रदं लोके सर्वलोकनमस्कृतम् ॥ विष्णु
लोकैकमेयनं सर्वदुःखविनाशनम् ॥ समस्तपाप
हरं पुण्यं पवित्रं ... कृतम् ॥ कर्मणोऽस्य हितम् स
मस्तैः सर्वविघ्नविनाशनम् ॥ सर्वत्र पावनं ... सर्वप

म॰
९७

म°
१३

[illegible] सम्पूजितं हृदि ध्रुवं [illegible] येन मः । कृष्णे समस्तः
[illegible] चक्रिणो [illegible] लोकानां [illegible] येन च
[illegible] विनश्यति [illegible] विनश्यति नास्ति
विष्णुपीठं महत्तं नास्ति विष्णोः परं पदम् । नास्ति विष्णोः परं
तत्त्वं नास्ति मित्रं भवेद्ध्रुवम् । नास्ति विष्णोः परं ध्यानं नास्ति
विष्णोः परं तपः । नास्ति विष्णोः परं ज्ञानं नास्ति मन्त्रं भवेद्ध्रु
वम् । किं तस्य बहुभिर्मन्त्रैः शास्त्रैः किं बहुविस्तरैः । वा
जपेयसहस्रैर्भक्तिर्यस्य जनार्दने भवतीह मयैव विष्णुः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
म॰ [illegible]
१७ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
भ० ३० [illegible]

ष्ठा यथं संसारवृक्षो विनश्यति विलीयते तथा [illegible]
तत्त्व[illegible]: [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] श्रीभगवत्स्वरूपम् [illegible]
[illegible] भवतः [illegible]
[illegible] इति

[illegible] श्रीराम राम रामेति रमे
रामे मनोरमे । सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने । रा
मेति [illegible]
कलौ युगे कल्मषमानसानामन्यत्र धर्मे खलु नाधिकारः
इति श्रीपद्मपुराणे उमामहेश्वरसंवादे श्रीविष्णोर्नाम
सहस्रं सम्पूर्णं समाप्तम् ॥ [illegible]
[illegible] ॥

३०